पड़ा है जिससे माल डिब्बों के कृत्रिम अभाव का वातावरण उत्पन्न हो जाता है। यदि सामान्य स्थिति बनी रहे, तो माल डिब्बों की विभिन्न मांगों को पूरा करने में रेलों को कोई कठिनाई नहीं है। फिर भी, मध्य रेलवे पर अप्रैल, 73 से फरवरी 74 के दौरान औसत दैनिक प्रारम्भिक लदान 2390 माल डिब्बे रहा जब कि 1972-73 की इसी अवधि में 2382 माल डिब्बों का लदान हुआ था।

पांचवीं योजना में विद्युत उत्पादन के लिये निर्धारित लक्ष्य

5308. **श्री गंगा चरण दीक्षित :** क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में विद्युत उत्पादन के लिए पांचवीं पंचवर्षीय योजना में क्या-क्या वित्तीय और भौतिक लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं ; और

(ख) उन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) पांचवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारूप में विद्युत कार्यक्रम के अन्तर्गत देश में प्रतिष्ठापित उत्पादन क्षमता में 16.55 मिलियन कि० वा० की वृद्धि करने की परिकल्पना की गई है। पांचवीं योजना में विद्युत उत्पादन कार्यक्रम के लिए 3324 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय की व्यवस्था की गई है।

(ख) लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए किए जा रहे मुख्य उपाय ये हैं :—

(1) लक्ष्यों की प्राप्ति और पिछली कमियों को दूर करने हेतु विद्युत उद्योग की क्षमता में सुधार लाने की दृष्टि से इसका पुनर्गठन।

(2) प्रक्रिया में परिवर्तन जिससे धनराशि समस्त अपेक्षित निवेशों की समय पर तथा पर्याप्त उपलब्धता को सुनिश्चित किया जा सके।

(3) भिन्न-भिन्न प्रकार की प्रभावकारी अनुश्रवण प्रणालियों को प्रतिष्ठापित करना जिससे कार्यनिष्पादन पर निगरानी रखी जा सके और समय पर जहां आवश्यक हो सुधार किया जा सके।

मध्य प्रदेश में विद्युत उत्पादन संबंधी प्रस्ताव

5309. **श्री गंगा चरण दीक्षित :** क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश सरकार द्वारा भेजे गये विद्युत उत्पादन सम्बन्धी प्रस्तावों को केन्द्रीय सरकार द्वारा अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है ;

(ख) प्रत्येक प्रस्ताव कब से विचाराधीन है; और

(ग) सरकार ने इस सम्बन्ध मे क्या कदम उठाये हैं ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) से (ग) : मध्य प्रदेश सरकार द्वारा भेजी गई विद्युत परियोजनाओं के नामों, उनकी प्राप्ति की तिथि और इस दिशा में दी गई कार्रवाई का विवरण संलग्न है।

विवरण

मध्य प्रदेश की सरकार द्वारा कार्यान्वयन के लिए प्रस्तावित विद्युत परियोजनाओं के नामों और उनकी वर्तमान स्थिति का विवरण

क्रम संख्या	स्कीम का नाम	प्राप्ति तिथि	वर्तमान स्थिति
1	कोरबा ताप केन्द्र विस्तार चरण चार	16-8-1973	केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग में, जांच की जा रही है।
2	कोरबा पश्चिम तट ताप केन्द्र	7-8-1973	स्कीम पर विचार किया गया और उसे तकनीकी रूप से संभव पाया गया। स्कीम को योजना आयोग ने जनवरी, 1974 में सिद्धान्त रूप से स्वीकार कर लिया था।
3	बोधघाट जल-विद्युत परियोजना	6-8-1970	प्राप्त की गई परियोजना रिपोर्ट की केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग में जांच की गई थी। पर्याप्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए राज्य द्वारा और विचार करने के लिए और स्थल अनुसंधान किए जा रहे हैं।
4	नर्मदासागर (पुनासा) बहुउद्देश्यीय परियोजना	26-5-1969	
5.	महेश्वर जल-विद्युत परियोजना	19-5-1972	इन परियोजनाओं में नर्मदा जल सम्बन्धी मामलों से संबन्धित अन्तर्राज्यीय पहलू शामिल हैं।
6.	हरीनफाल जल-विद्युत परियोजना	19-5-1972	

बुरहानपुर (मध्य प्रदेश) के व्यापारियों को भुसावल अथवा खंडवा से बैंगनों की सप्लाई

5310. **श्री गंगा चरण दीक्षित :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बुरहानपुर (मध्य प्रदेश) से बैंगनों की मांग करने वाले व्यापारियों को सामान्यतया भुसावल अथवा खंडवा से बैंगनों की सप्लाई की जाती है; और

(ख) यदि हां, तो इस के क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी) : (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।